Hindi Murli Quiz 07-08-2015

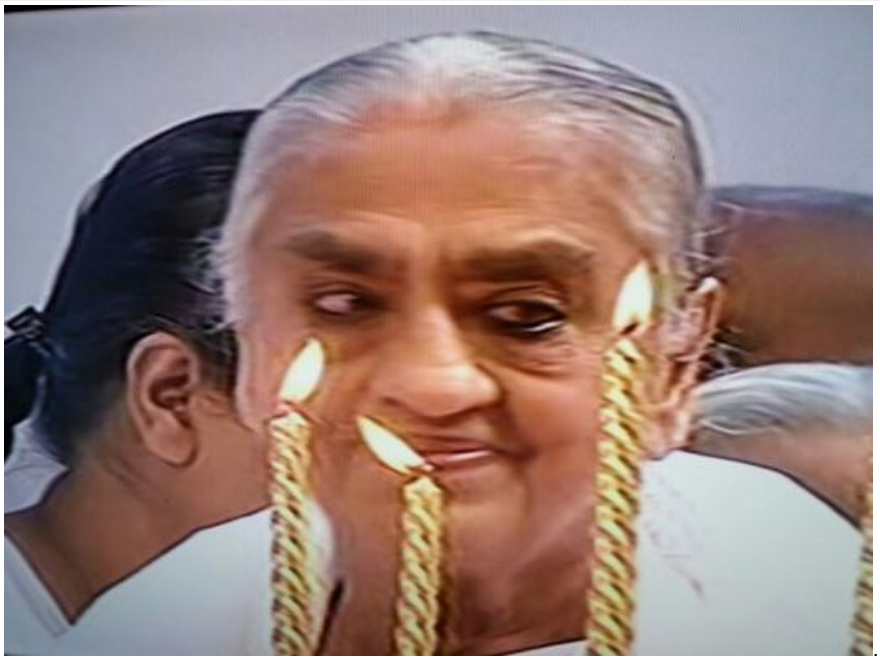

Q.1) मनुष्य इतने पतित दु:खी निधनके क्यूँ बने है

- A. ☐ ड्रामा को न जानने के कारण
- B. ☑ बाप के कर्तव्य को न जानने के कारण
- C. ☑ बाप को न जानने के कारण

Q.2) जो जीते जी अच्छी रीति मरे हुए हैं उनके नाम बदल सकते हैं - तो फिर बाबा बच्चों के नाम क्यों नहीं रखते हैं? (आज के मुरली अनुसार)

- A. ○ बच्चे यग्य छोड़ कर चले जाते है
- B. ◉ माया ब्राह्मण के बदले शुद्र बना देती है
- C. ○ बच्चे मुह काला कर लेते है

Q.3) ब्राह्मण

- A. ☑ की माला नहीं होती
- B. ☑ सर्वोत्तम ऊंच कुल वाले है
- C. ☑ ऊंच रूहानी सेवा करते है
- D. ☑ यहाँ बैठे वा चलते फिरते भारत की खास और विश्व की आम सेवा करते है
- E. ☑ विश्व को तुम पवित्र बनाते हैं
- F. ☑ बाप के मददगार
- G. ☑ देवी देवता बनते है

Q.4) और धर्मों के बारे में बाबा ने क्या कहा है

- A. ☑ और जो भी धर्म स्थापक हैं वह सिर्फ धर्म स्थापन करते हैं
- B. ☐ धर्म स्थापक और धर्मों का विनाश करते हैं
- C. ☑ और धर्मों की तो वृद्धि होती रहती है
- D. ☑ बाप वृद्धि को बन्द करते हैं।

Q.5) नम्बरवन अवगुण

- A. ○ काम विकार
- B. ◉ बाप को नहीं जानते।
- C. ○ विषय सागर में गोता खाना

Explanation: नम्बरवन अवगुण है जो बाप को नहीं जानते। दूसरा अवगुण है जो विषय सागर में गोता खाते हैं।

Q.6) अपने हर __ वा विशेषता द्वारा दाता की तरफ इशारा करने वाले सच्चे सेवाधारी भव!

A. संकल्प
B. कर्म
C. गुण
D. वाचा

Q.7) सच्चे सेवाधारी के बारे में आज बाबा ने क्या कहा है

A. स्वयं में अटकायेंगे नहीं।
B. सबका कनेक्शन बाप से करायेंगे
C. हर बोल बाप की स्मृति दिलाने वाला होगा।
D. हर कर्म से बाप दिखाई देगा।

Q.8) यदि कोई आत्मा आपको देखी, बाप को नहीं तो यह सेवा नहीं की

A. सही
B. गलत

Explanation: उनके हर कर्म से बाप दिखाई देगा। उन्हें यह संकल्प भी नहीं आयेगा कि मेरी विशेषता के कारण यह मेरे सहयोगी हैं। यदि आपको देखा, बाप को नहीं तो यह सेवा नहीं की, बाप को भुलाया।

Q.9) किसी भी प्रकार की अर्जी डालने के बजाए सदा __ रहो।

A. संतुष्ट
B. राज़ी
C. खुश

Q.10) सर्वोत्तम कुल वाले बच्चों का मुख्य कर्तव्य क्या है?

A. पावन बनना
B. ऊंची रूहानी सेवा करना।

Explanation: प्रश्न:- सर्वोत्तम कुल वाले बच्चों का मुख्य कर्तव्य क्या है? उत्तर:- सदा ऊंची रूहानी सेवा करना। यहाँ बैठे वा चलते-फिरते खास भारत और आम सारे विश्व को पावन बनाना, श्रीमत पर बाप के मददगार बनना-यही सर्वोत्तम ब्राह्मणों का कर्तव्य है।